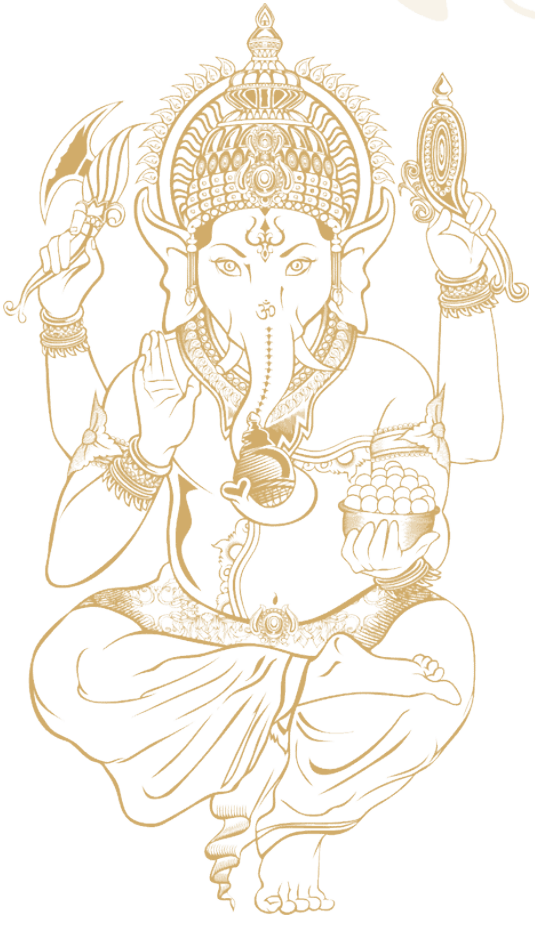

Neha gaur

02 Mar 1984

08:40 AM

Shivpuri

Model: web-FreeVarshphal **Order No: 119379304**

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/03/1984	जन्म तिथि	**02/03/2025**
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 08:40:00	जन्म समय	21:11:49 घंटे
घटी 04:55:28	जन्म समय(घटी)	36:15:11 घटी
India	देश	India
Shivpuri	स्थान	Shivpuri
उत्तर 25:26:00	अक्षांश	25:26:00 उत्तर
पूर्व 77:39:00	रेखांश	77:39:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:24	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:48	सूर्योदय	06:41:44
18:21:37	सूर्यास्त	18:21:39
23:37:54	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:32
मीन	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कुम्भ	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
शतभिषा	नक्षत्र	रेवती
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	3
सिद्ध	योग	शुक्ल
चतुष्पाद	करण	वणिज
सा-सात्विक	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	सिंह
41	गत/तत्कालिक वर्ष	42

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रेवती	4	27:03:56	मीन			लग्न			कन्या	27:12:03	2	चित्रा
शतभिषा	4	18:05:59	कुंभ			सूर्य			कुंभ	18:05:59	4	शतभिषा
शतभिषा	2	11:09:12	कुंभ			चंद्र			मीन	24:11:29	3	रेवती
विशाखा	3	28:36:17	तुला			मंगल			मिथु	23:04:02	1	पुनर्वसु
शतभिषा	2	12:23:09	कुंभ		अ	बुध			मीन	04:42:09	1	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	1	14:23:12	धनु			गुरु			वृष	18:11:59	3	रोहिणी
श्रवण	4	21:04:39	मक			शुक्र	व		मीन	16:37:07	4	उ०भाद्रपद
विशाखा	1	22:42:56	तुला	व		शनि		अ	कुंभ	26:40:57	3	पू०भाद्रपद
रोहिणी	3	17:37:20	वृष	व		राहु			मीन	03:12:10	4	पू०भाद्रपद
ज्येष्ठा	1	17:37:20	वृश्चि	व		केतु			कन्या	03:12:10	2	उ०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	1	19:48:59	वृश्चि			मु			सिंह	27:03:56	1	उ०फाल्गुनी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:32

लग्न-चलित

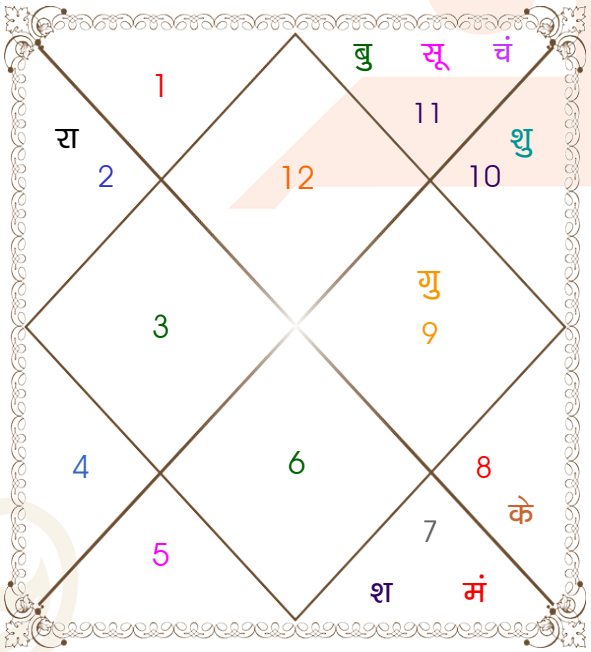

वर्ष लग्न कुंडली

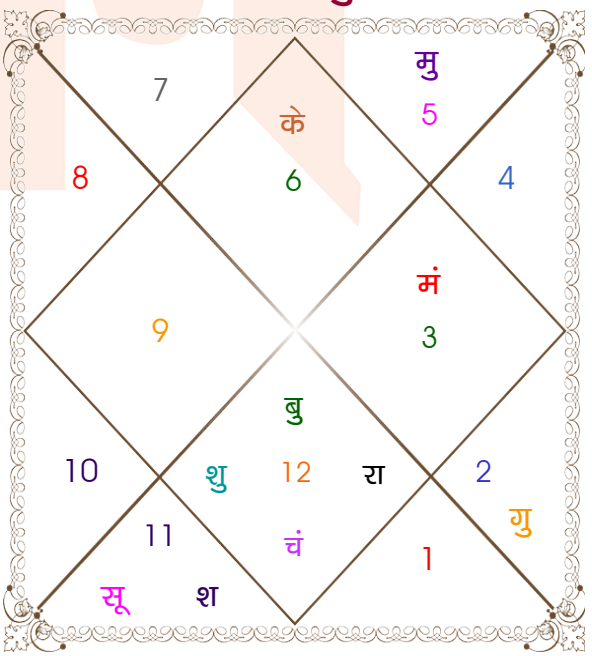

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - मंगल - चंद्र	
20/08/2025 06:27	
23/09/2025 00:05	
चंद्र	23/08/2025 01:55
मंगल	25/08/2025 01:09
राहु	30/08/2025 02:36
गुरु	03/09/2025 14:33
शनि	08/09/2025 22:44
बुध	13/09/2025 17:26
केतु	15/09/2025 16:40
शुक्र	21/09/2025 07:36
सूर्य	23/09/2025 00:05

शनि - राहु - राहु	
23/09/2025 00:05	
26/02/2026 03:33	
राहु	16/10/2025 10:13
गुरु	06/11/2025 05:52
शनि	30/11/2025 23:13
बुध	23/12/2025 02:07
केतु	01/01/2026 04:43
शुक्र	27/01/2026 05:17
सूर्य	04/02/2026 00:40
चंद्र	17/02/2026 00:57
मंगल	26/02/2026 03:33

शनि - राहु - गुरु	
26/02/2026 03:33	
14/07/2026 22:38	
गुरु	16/03/2026 15:42
शनि	07/04/2026 15:07
बुध	27/04/2026 07:01
केतु	05/05/2026 09:20
शुक्र	28/05/2026 12:31
सूर्य	04/06/2026 11:04
चंद्र	16/06/2026 00:40
मंगल	24/06/2026 02:58
राहु	14/07/2026 22:38

शनि - राहु - शनि	
14/07/2026 22:38	
26/12/2026 18:18	
शनि	10/08/2026 00:57
बुध	02/09/2026 09:20
केतु	12/09/2026 00:05
शुक्र	09/10/2026 11:21
सूर्य	17/10/2026 17:08
चंद्र	31/10/2026 10:47
मंगल	10/11/2026 01:31
राहु	04/12/2026 18:52
गुरु	26/12/2026 18:18

शनि - राहु - बुध	
26/12/2026 18:18	
23/05/2027 05:34	
बुध	16/01/2027 15:41
केतु	25/01/2027 06:09
शुक्र	18/02/2027 20:02
सूर्य	26/02/2027 04:59
चंद्र	10/03/2027 11:56
मंगल	19/03/2027 02:23
राहु	10/04/2027 05:17
गुरु	29/04/2027 21:11
शनि	23/05/2027 05:34

शनि - राहु - केतु	
23/05/2027 05:34	
22/07/2027 22:55	
केतु	26/05/2027 18:35
शुक्र	05/06/2027 21:28
सूर्य	08/06/2027 22:20
चंद्र	13/06/2027 23:47
मंगल	17/06/2027 12:48
राहु	26/06/2027 15:24
गुरु	04/07/2027 17:42
शनि	14/07/2027 08:27
बुध	22/07/2027 22:55

शनि - राहु - शुक्र	
22/07/2027 22:55	
12/01/2028 10:46	
शुक्र	20/08/2027 20:53
सूर्य	29/08/2027 13:05
चंद्र	13/09/2027 00:04
मंगल	23/09/2027 02:57
राहु	19/10/2027 03:32
गुरु	11/11/2027 06:43
शनि	08/12/2027 18:00
बुध	02/01/2028 07:52
केतु	12/01/2028 10:46

शनि - राहु - सूर्य	
12/01/2028 10:46	
04/03/2028 11:55	
सूर्य	15/01/2028 01:13
चंद्र	19/01/2028 09:19
मंगल	22/01/2028 10:11
राहु	30/01/2028 05:33
गुरु	06/02/2028 04:07
शनि	14/02/2028 09:54
बुध	21/02/2028 18:51
केतु	24/02/2028 19:43
शुक्र	04/03/2028 11:55

शनि - राहु - चंद्र	
04/03/2028 11:55	
30/05/2028 05:51	
चंद्र	11/03/2028 17:25
मंगल	16/03/2028 18:51
राहु	29/03/2028 19:09
गुरु	10/04/2028 08:44
शनि	24/04/2028 02:22
बुध	06/05/2028 09:19
केतु	11/05/2028 10:45
शुक्र	25/05/2028 21:45
सूर्य	30/05/2028 05:51

शनि - राहु - मंगल	
30/05/2028 05:51	
29/07/2028 23:11	
मंगल	02/06/2028 18:51
राहु	11/06/2028 21:27
गुरु	19/06/2028 23:46
शनि	29/06/2028 14:31
बुध	08/07/2028 04:58
केतु	11/07/2028 17:59
शुक्र	21/07/2028 20:53
सूर्य	24/07/2028 21:45
चंद्र	29/07/2028 23:11

शनि - गुरु - गुरु	
29/07/2028 23:11	
30/11/2028 08:09	
गुरु	15/08/2028 09:59
शनि	03/09/2028 22:48
बुध	21/09/2028 10:16
केतु	28/09/2028 15:00
शुक्र	19/10/2028 04:29
सूर्य	25/10/2028 08:32
चंद्र	04/11/2028 15:17
मंगल	11/11/2028 20:00
राहु	30/11/2028 08:09

शनि - गुरु - शनि	
30/11/2028 08:09	
25/04/2029 20:17	
शनि	23/12/2028 12:52
बुध	13/01/2029 06:59
केतु	21/01/2029 20:06
शुक्र	15/02/2029 06:07
सूर्य	22/02/2029 13:56
चंद्र	06/03/2029 18:56
मंगल	15/03/2029 08:03
राहु	06/04/2029 07:28
गुरु	25/04/2029 20:17

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा ही करेंगी।साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी । अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरुद्ध होंगे।व्यापार आदि कार्यो में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।